ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

आज का दिन हर बच्चे के दिलसे दृढ़ संकल्प करनेसे सहज सफलता का प्रत्यक्ष फल पाने का दिनहै। सुना आज का दिन कितना महान है! ऐसे महान दिवस पर सभी बच्चे जहाँ भी हैं, दूर होते भी दिलके समीप हैं। बापदादा भी हर एक बच्चेको स्नेह और बापदादा को प्रत्यक्ष करनेकी सेवा के उमंग-उत्साह के रिटर्न में स्नेह भरी बधाई देतेहैं। क्योंकि मैजारिटी बच्चों की रूह-रूहानमें स्नेह और सेवाके उमंग की लहरें विशेष थीं। प्रतिज्ञा और प्रत्यक्षता दोनों बातें विशेष थीं। सुनते-सुनते बापदादा क्या करते! सुनाने वाले कितने होतेहैं। **लेकिन दिल का आवाज़ दिलाराम बाप एक ही समयमें अनेकों का सुन सकते हैं। प्रतिज्ञा करनेवालों को बापदादा बधाई देते। लेकिन सदा इस प्रतिज्ञा को अमृतवेले रिवाइज करते रहना। प्रतिज्ञा कर छोड़ नहीं देना। करना ही है, बनना ही है। इस उमंग-उत्साह को सदा साथ रखना।**

Today is the day when every child attains the instant fruit of easy success by having a determined thought in their heart. Did you hear how great today is? On such a great day, wherever all the children are, although they may be far away, they are close to the heart. In return for each child's love and zeal and enthusiasm for service to reveal BapDada, BapDada gives love filled greetings because in the majority of the children, there were mostly waves of love and enthusiasm for service in their heart to heart conversation. There were two things: promises and revelation. What does BapDada do as He hears these? There are so many who say things, **yet the Father, the Comforter of Hearts, is able to hear the sound of the heart of many at the same time. BapDada gives congratulations to those who make promises. However, always continue to revise these promises at Amrit vela. Don't just leave it once you have made the promise: "I have to do this. I have to become this." Always keep this zeal and enthusiasm with you.**

.

Avyakt Vani - 18.01.1985

'परमात्मा आपकी बातों को तब भी समझता है ! जब आपके पास कोई शब्द नहीं होते!
क्योंकि परमात्मा एहसास है!
वह प्रेम और भावना को समझता है!

GOD IS LIGHT

#shivshakti

ज्ञानी तू आत्मा वह है
जो ज्ञान के
हर राज को समझकर
राजयुक्त, युक्तियुक्त और
योगयुक्त हो कर्म करे

Om Shanti

निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

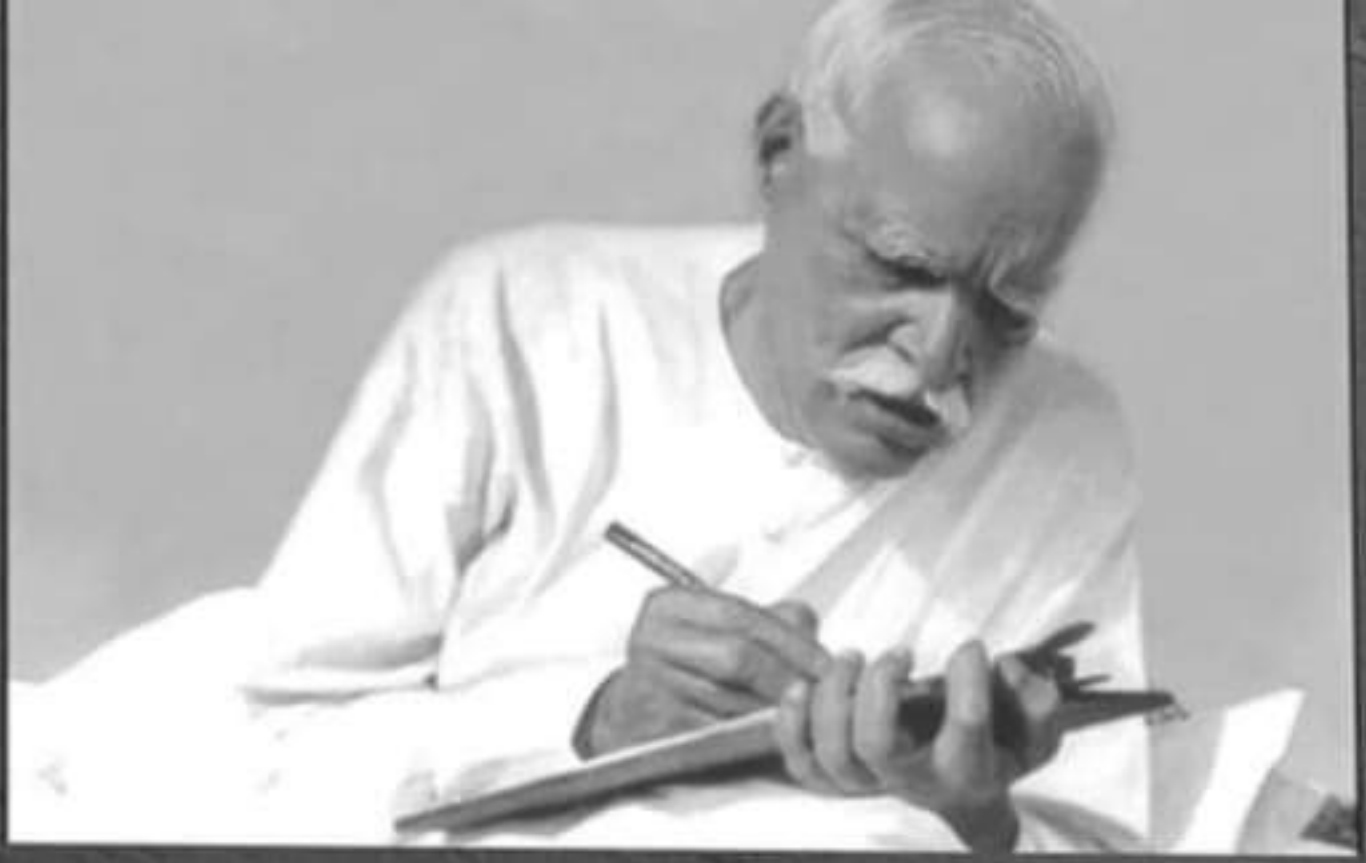

किसी भी कारण से मुरली मिस नहीं करनी है। जैसे खाना नहीं मिस करते हो तो यह भी भोजन है ना। वह शरीर का भोजन यह आत्मा का भोजन। ब्राह्मण माना मुरली सुनने वाला सेवा करने वाला।

Avyakt Murli 2.2.2011

किसी के बुरा व्यवहार करने के बाद हमारा मन बहुत भारी हो जाता है..... उन्हें माफ कर दीजिए।

माफ इसलिए करेंगे क्योंकि हम बदला लेंगे तो हो सकता है अगला व्यक्ति और बुरा व्यवहार करने पर उतारू हो जाए पर अगर हम इसे समय पर और भगवान पर छोड़ देते हैं तो वो अपने जीवन का सबसे बेहतरीन सबक बहुत अच्छे से सीखेगा , जो हम उसे सिखाना चाहते थे

Facebook :- Positive vibes

insta :- positivevibes196

SAMARPAN

जब तक संगम की जीवन में जीना है तब तक मन-वचन-कर्म में पवित्र बनना ही है। न सिर्फ बनना है लेकिन बनाना भी है। तो देखो भक्तों की बुद्धि भी कम नहीं है, यादगार की कॉपी बहुत अच्छी की है। आप सभी सब व्यर्थ समर्पण कर समर्थ बने हो अर्थात् अपने अपवित्र जीवन को समर्पण किया, आपकी समर्पणता का यादगार वह बलि चढ़ाते हैं लेकिन स्वयं को बलि नहीं चढ़ाते, बकरे को बलि चढ़ा देते हैं। देखो कितनी अच्छी कॉपी की है, बकरे को क्यों बलि चढ़ाते हैं? इसकी भी कॉपी बहुत सुन्दर की है, बकरा क्या करता है? में-में-में करता है ना! और आपने क्या समर्पण किया? मैं, मैं, मैं। देह-भान का मैं-पन, क्योंकि इस मैं-पन में ही देह-अभिमान आता है। जो देह-अभिमान सभी विकारों का बीज है।

बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि सर्व समार्पित होने में यह देह भान का मैं-पन ही रूकावट डालता है। कॉमन मैं-पन, मैं देह हूँ, वा देह के सम्बन्ध का मैं-पन, देह के पदार्थों का समर्पण यह तो सहज है। यह तो कर लिया है ना? कि नहीं, यह भी नहीं हुआ है! जितना आगे बढ़ते हैं उतना मैं-पन भी अति सूक्ष्म महीन होता जाता है। यह मोटा मैं-पन तो खत्म होना सहज है। लेकिन महीन मैं-पन है - जो परमात्म जन्म सिद्ध अधिकार द्वारा विशेषतायें प्राप्त होती हैं, बुद्धि का वरदान, ज्ञान स्वरूप बनने का वरदान, सेवा का वरदान वा विशेषतायें, या प्रभु देन कहो, उसका अगर मैं-पन आता तो इसको कहा जाता है महीन मैं-पन। मैं जो करता, मैं जो कहता वही ठीक है, वही होना चाहिए, यह रॉयल मैं-पन उड़ती कला में जाने के लिए बोझ बन जाता है। तो बाप कहते इस मैं-पन का भी समर्पण, प्रभु देन में मैं-पन नहीं होता, न मैं न मेरा। प्रभु देन, प्रभु वरदान, प्रभु विशेषता है। तो आप सबकी समर्पणता कितनी महीन है। तो चेक किया है? साधारण मैं-पन वा रॉयल मैं-पन दोनों का समर्पण किया है? किया है या कर रहे हैं? करना तो पड़ेगा ही। आप लोग आपस में हंसी में कहते हो ना, मरना तो पड़ेगा ही। लेकिन यह मरना भगवान की गोदी में जीना है। यह मरना, मरना नहीं है। 21 जन्म देव आत्माओं के गोदी में जन्मना है। इसीलिए खुशी-खुशी से समार्पित होते हो ना! चिल्ला के तो नहीं होते? नहीं। भक्ति में भी चिल्लाया हुआ बलि स्वीकार नहीं होती है। तो जो खुशी से समार्पित होते हैं, हद के मैं और मेरे में, वह जन्म-जन्म वर्से के अधिकारी बन जाते हैं।--17-02-2004

Vidhi Se Siddhi

सहयोगियों को यज्ञ स्नेही बनाने की विधि

बापदादा- 05-03-2012

बापदादा ने समय के प्रमाण आज यह भी कहा कि सहयोगी है लेकिन अब यज्ञ स्नेही बनाओ। वारिस क्वालिटी बनाओ। जो भी सहयोगी हैं उन्हों को अपने ज़ोन में, बापदादा ने पहले भी कहा है लिस्ट तो आई है अच्छा है, लेकिन हर एक ज़ोन एक-एक वर्ग को अपने भिन्न-भिन्न स्थान के सहयोगी या स्नेही आत्माओं को इकट्ठा करो। तीन दिन का उनको सम्पर्क में लाओ, रहें भी, मीटिंग करें और आगे के प्रोग्राम बनायें। तो हर ज़ोन जहाँ भी उनके हैं, सभी ज़ोन से कोई बड़े स्थान पर जहाँ भी ज़ोन में हो, सहयोगियों को इकट्ठा करके उनकी मीटिंग करो आरै उन्हों को विशेष एक बल भरो आगे बढ़ने का। जो अब तक किया उसकी मुबारक़ दो और आगे बढ़ने का प्लैन बनाके दो, क्योंकि उन्हों को भी आगे बढ़ने की विधि सुनानी पड़ेगी। तो सभी ज़ोन मिलके एक-एक वर्ग का जहाँ विशेष स्थान है वहाँ इकट्ठा करो। फिर देखेंगे उस संगठन में कितने आते हैं, क्या आगे चाहते हैं? ऐसे सम्पर्क में लायेंगे तो वारिस बन जायेंगे।

ओम् शान्ति

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org